चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 3.5.2021 पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7-8.....

हकृवि कुलपति ने अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से की मुलाकात

● कहा, कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल

हिसार, 2 मई (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर बी.आर. कंबोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

वे रविवार को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछा। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किए जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए।

फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पंजाब केसरी.....

दिनांक .2...5...2021..पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....3-6.....

'एच.ए.यू. में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान'

हिसार, 1 मई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज किया गया।

विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए 2 दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था जिसके तहत यह सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया ताकि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके।

विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज करते कर्मचारी।

ज्ञात रहे कि इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से आगामी 3 मई तक लगाए गए लॉकडाऊन के दौरान भी विश्वविद्यालय परिसर में सैनिटाइजेशन अभियान चलाया जाएगा। लॉकडाऊन के बाद भी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की हिदायतों अनुसार ही कार्यालय में आने की अनुमति दी जाएगी और सभी हिदायतों का पालन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 3.5.2021...पृष्ठ संख्या.....1.....कॉलम.....1.....

कृषि गतिविधियों में श्रमिक निभाते हैं अहम भूमिका : प्रो. कांबोज

हिसार। कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कही। कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों से जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनतकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें । ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 3.5.2021 पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7-8.....

कृषि व सहायक गतिविधियों में श्रमिकों की महत्वपूर्ण भूमिका

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। बी.आर. काम्बोज ने कहा मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े। हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें।

कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी. आर. काम्बोज। • विज्ञप्ति

इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........पंजाब केसरी........

दिनांक 3.5.2021..पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....1-5.......

'कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रो. कांबोज'

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षेम

हिसार, 2 मई (पंकेस): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने

फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज।

कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. कांबोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े।

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	3.5.2021	—	—

पंजाब केसरी

7/12

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : काम्बोज

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों से जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनतकश व कामकाजी लोगों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इंसान कर्मो से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि ये किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिसार वाटिका	2.5.2021	—	—

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर काम्बोज

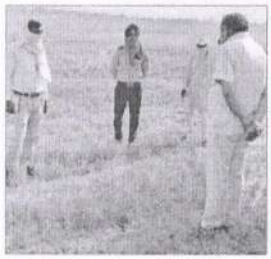

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनतकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए, अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षेम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे	2.5.2021	—	—

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षेम

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रो. काम्बोज

पांच बजे ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते है। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनतकश व कामकाजी लोगों की हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि

इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े। इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें।इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एच आर ब्रेकिंग	2.5.2021	—	—

शनिवार ● 02.05.2021

www.hrbreakingnews.com

हिसार

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षेम

एचआर ब्रेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व इससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है।

ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों से जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनतकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए इन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इनसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े।

साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले इन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े।

फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

हर सुविधा मुहैया करवाए अधिकारी

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	2.5.2021	—	—

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हैलो हिसार न्यूज

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षेम

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय
हरियाणा टुडे 2.5.2021

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोल : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर कृषि श्रमिकों से मिलकर पूछा कुशलक्षेम

टुडे न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है।

फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि श्रमिकों से मिलते कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज।

हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी

इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें।इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल	2.5.2021	—	—

कृषि व सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक निभाते हैं अहम रोलः प्रो. काम्बोज

पल पल न्यूज: हिसार, 2 मई। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि व उससे जुड़ी सहायक गतिविधियों में कृषि श्रमिक अहम भूमिका अदा करते हैं। कृषि में फसलों की बिजाई से लेकर कटाई तक और उसे निकालने के बाद मंडियों व आमजन तक पहुंचाने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। ये विचार उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि गतिविधियों के जुड़े कृषि श्रमिकों से उनका कुशलक्षेम पूछने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष एक मई को मजदूरों के सम्मान, उनकी एकता और उनके हक के समर्थन में इस दिन को मनाया जाता है। ऐसे में हमें मेहनकश व कामकाजी लोगों को हौसला अफजाई करते हुए उन्हें बधाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इंसान कर्मों से महान बनता है, उसके द्वारा किया गया कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। इसलिए अपनी आजीविका चलाने के लिए कृषि श्रमिकों द्वारा इस क्षेत्र में किये जाने वाले कार्य भी छोटे नहीं होते। उनके द्वारा की जाने

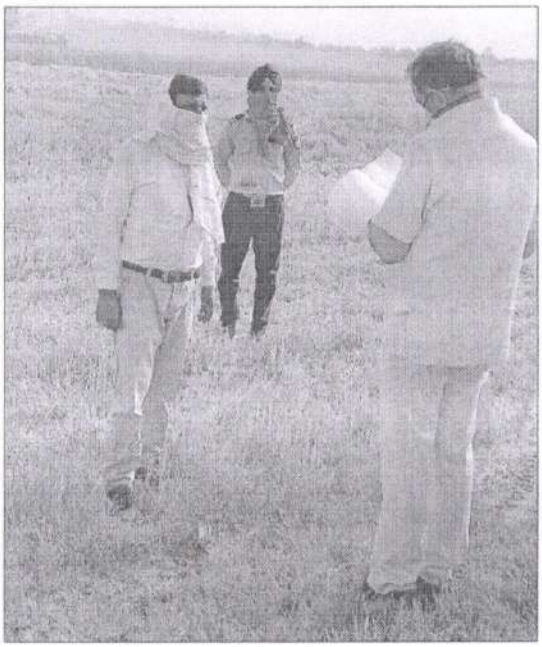

वाली कड़ी मेहनत का ही नतीजा है कि वे किसानों के साथ मिलकर देश की जनता का पेट भरने में अपना योगदान देते हैं। इसलिए हमें भी उनके अधिकारों का मान-सम्मान करते हुए कार्यस्थल पर जरूरी सुविधाएं मुहैया करवानी चाहिए ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। साथ ही कृषि व उससे जुड़े सहयोगी व्यवसायों में मशीनों के साथ काम करने से पहले उन्हें विस्तारपूर्वक जानकारी व प्रशिक्षण की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसी अनहोनी से बचा जा सके। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी देश, समाज, संस्था और उद्योग में मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की अहम भूमिका होती है। मौजूदा समय में कोरोना महामारी ने मजदूरों, कामगारों और मेहनतकशों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया है, ऐसे में हमारा मानवता के नाते नैतिक कर्तव्य बनता है कि इनकी हरसंभव सहायता की जाए ताकि इन्हें भी अपना परिवार पालने में किसी प्रकार की कठिनाइयों से दो-चार न होना पड़े।

हर सुविधा मुहैया करवाएं अधिकारी : इस अवसर पर फार्म निदेशालय के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे कृषि कार्यों का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत श्रमिकों व कामगार मजदूरों के लिए जरूरी हरसंभव सुविधाएं प्रदान करें ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो और अनहोनी से बचा जा सके। साथ ही कृषि गतिविधियां भी निर्बाध गति से जारी रहें।इसके अलावा कार्यस्थल पर राज्य व केंद्र सरकार द्वारा महामारी को लेकर जारी सामाजिक दूरी, सेनेटाइजेशन व मास्क जैसे दिशा-निर्देशों का पालन किया जाना चाहिए ताकि इस महामारी से बचाव हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम......दैनिक भास्कर......

दिनांक 3.5.2021 पृष्ठ संख्या......2......कॉलम......1-5......

होनहार • एचएयू और जीडी गोयनका छात्राओं की पढ़ाई का खर्च करता है वहन, छात्राएं बोलीं- सपना पूरा हुआ

प्रतिभा के बल पर बेटियां पहुंच रहीं विदेश, एचएयू की दो छात्राएं जापान और जर्मनी से पढ़ाई कर रही परवीन

सिटी रिपोर्टर • बेटियां अपनी प्रतिभा और स्कूल, विवि के सहयोग व मार्गदर्शन के कारण विदेशों तक का सफर तय कर रहीं हैं। एचएयू की दो छात्रा कल्पना यादव और परनील और जीडी गोयनका की छात्रा परवीन प्रतिभा के बल पर जापान और जर्मनी में स्नातक से लेकर परास्नातक और आईबी का कोर्स कर रही हैं। खास बात यह है कि एचएयू की दोनों छात्राओं का खर्च विवि कर रहा है। इसी तरह परवीन एक करोड़ की स्कालरशिप पर आईबी का कोर्स कर रही है। संवाददाता महबूब अली ने विदेशी तौर तरीकों से पढ़ाई करनी वाली छात्राओं से बातचीत की।

परवीनः एक करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप में स्टाइफंड, ट्यूशन फीस, हेल्थ इंश्योरेंस भी मिलना शामिल है

परवीन सामान्य परिवार से है । वह हिसार के मॉडल टाउन में परिवार के साथ रहती हैं।

परवीन के पिता रोहताश की खल चूरी की फैक्ट्री है। परवीन जीडी गोयनका हिसार की छात्रा रही हैं।

परवीन ने बताया कि उसका सपना पहले से ही विदेशों में पढ़ाई कर परिजनों का नाम रोशन करने का था।

जर्मनी में पढ़ाई कर रही परवीन ने बताया कि अपनी पढ़ाई के लिए विदेश जाना उसका सपना था। जिसे परिवारिक परिस्थितियों के कारण शायद पूरा न कर पाती। परंतु अब वह अपने सपने को साकार कर रही हैं व विदेश में पढ़ाई कर रही है। इस सीट के लिए देशभर से बच्चे इंतजार करते हैं। वहीं स्कूल से भी काफी बच्चे इस सीट पर पढ़ाई करने के लिए जाना चाहते थे। मेरिट के आधार पर ही परवीन चयन हुआ है। दो वर्षीय इस कोर्स में परवीन इस कोर्स के बाद किसी भी देश में एडमिशन ले सकेगी। परवीन को मिली एक करोड़ रुपये की स्कॉलरशिप में स्टाइफंड, ट्यूशन फीस, हेल्थ इंश्योरेंस शामिल है। उसकी सफलता देश व प्रदेश की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणा है।

कल्पना यादवः शिक्षा ग्रहण के बाद भारत में भी छात्रों को करेंगी अवेयर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्व विद्यालय की छात्रा कल्पना यादव चरखी दादरी के रामनगर गांव की रहने वाली है। उसका चयन स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत टोक्यो एग्रीकल्चर विवि जापान में हुआ है। छात्रा को कृषि अनुसंधान और शिक्षा में सहयोग के लिए एचयू और टोक्यो कृषि विवि के बीच समझौता ज्ञापन के आधार पर चुना गया। हर साल छात्रा की पढाई पर डेढ़ लाख रूपये खर्च किए जाते है। छात्रा का कहना है कि एचएयू ने ही उसके सपने को साकार करने का काम किया है। विदेश से पढ़ाई ग्रहण करने के बाद वह भारतीय को भी विदेशी तौर तरीकों से होने वाली पढ़ाई के प्रति जागरूक करेंगी। एमएससी के लिए छात्रा का चयन किया गया।

परनील सहारणः मध्यम परिवार से होने के बावजूद किया सपनों को साकार

हिसार के सीसवाला गांव की रहने वाली परनील सहारण का चयन भी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत

बीएससी कृषि 4 वर्षीय कार्यक्रम के तहत किया गया। परनील जापान में पढ़ाई कर रही है। परनील के पिता महावीर सिंह सहारण किसान है तथा खेतीबाड़ी कर परिवार का पालन पोषण करते है। अब विदेश में पढ़ाई का प्रति साल का करीब डेढ़ लाख का खर्च विवि ही उठा रहा है। परनील का कहना है कि विदेश में पढ़ाई करने के साथ-साथ वह एचएयू के छात्रों को भी आनलाइन माध्यम से विदेशी पढ़ाई के तौर तरीकों के बारे में बताती रहती है। उसका सपना हरियाणा का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन करने का है।

प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद मिलता है एडमिशन : विदेशों में आईबी या फिर अन्य कोर्स करने के लिए छात्रों को प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण करतनी होती है। इसके बाद ही जिस स्कूल या विवि का विदेश के विवि से समझौता होता है, उसे वहां पर एडमिशन मिलता है। पढ़ाई का पूरा खर्च विवि ही ग्रहण करता है।

प्रयास रहता है कि विवि के छात्रों को विदेशों में भी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत पढ़ाई कराई जाए। विवि छात्रों को न केवल यूनिवर्सिटी में उच्च स्तर का शैक्षणिक माहौल दे रहा है बल्कि छात्रों को अलग अलग प्रोग्राम के तहत विदेशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा ग्रहण करने का अवसर प्रदान कर रहा है। भविष्य में भी अधिक छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा और अनुसंधान के लिए विभिन्न देशों में भेजा जाएगा ताकि विवि के छात्र व शिक्षक अंतरराष्ट्रीय प्रति स्पर्धा के युग मे अपने कौशल को निखार सकें।" - **डा. बीआर काम्बोज,** कुलपति, एचएयू।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम........दैनिक सवेरा........

दिनांक ..2.5.2021...पृष्ठ संख्या......3.........कॉलम....1-2.......

हकृवि में चलाया सैनेटाइजेशन अभियान

विश्वविद्यालय परिसर को सैनेटाइज करते कर्मचारी।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लगातार दो दिन तक सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनेटाइज किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कालेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था, जिसके तहत यह सैनेटाइजेशन अभियान चलाया गया, ताकि कोरोना संक्रमण की चैन को तोड़ा जा सके। ज्ञात रहे इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया है। प्रदेश सरकार की ओर से आगामी 3 मई तक लगाए गए लॉकडाऊन के दौरान भी विश्वविद्यालय परिसर में सैनेटाइजेशन अभियान चलाया जाएगा। विश्वविद्यालय में केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जा रहा है। इसी के तहत लॉकडाउन के बाद भी कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार की हिदायतों अनुसार ही कार्यालय में आने की अनुमति दी जाएगी और सभी हिदायतों का पालन किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 2.5.2021.....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....7-8.....

एचएयू में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान

एचएयू परिसर को सैनिटाइज करते कर्मचारी। • पीआरओ

जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में लगातार दो दिन तक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कालेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था। इसके तहत यह सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया, ताकि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ा जा सके। ज्ञात रहे इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....

दिनांक 2.5.2021....पृष्ठ संख्या....3.....कॉलम....1-2.....

एचएयू में चलाया सैनिटाइजेशन अभियान

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में लगातार दो दिन तक सैनिटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सैनिटाइज किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था। वहीं एचएयू के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन शिविर की शुरूआत हो चुकी है। इसी के तहत प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला (यमुनानगर) से इस अभियान को शुरू किया गया है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि पहले चरण में दामला कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया था जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते हुए उन्हें जागरूक करने को कहा गया है ताकि वैक्सीन के संबंध में किसानों के मन में किसी प्रकार की कोई भ्रांति न रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक जागरण.....

दिनांक 2.5.2021....पृष्ठ संख्या.....4.....कॉलम.....7-8.....

एचएयू के बाहरी केंद्रों पर वैक्सीनेशन शुरू, किसानों ने लगवाया टीका

जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प की शुरूआत हो चुकी है। इसी के तहत प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला(यमुनानगर) से इस अभियान को शुरू किया गया है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि पहले चरण में दामला कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में प्रदेश में विश्वविद्यालय के

वैक्सीन लगवाता किसान। • पीआरओ

अन्य बाहरी केंद्रों पर भी अब लगातार इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते हुए उन्हें जागरूक करने को कहा गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक भास्कर.....

दिनांक 2.5.2021....पृष्ठ संख्या.....2.....कॉलम.....5.....

एचएयू में अभियान चलाकर पूरे परिसर को किया सेनेटाइज

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिन तक सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके तहत पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज किया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए दो दिनों के लिए विश्वविद्यालय को बंद करने का फैसला लिया गया था, जिसके तहत यह सेनेटाइजेशन अभियान चलाया गया। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया था, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव को शामिल किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक सवेरा.....

दिनांक 2.5.2021....पृष्ठ संख्या.....3.....कॉलम.....7.8.....

हकृवि के बाहरी केंद्रों पर वैक्सीनेशन कैंप शुरू

वैक्सीनेशन कैंप के दौरान वैक्सीन लगवाते किसान और जागरूक करते केंद्र के वैज्ञानिक।

हिसार, (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्रों पर मेगा वैक्सीनेशन कैम्प की शुरु आत हो चुकी है। इसी के तहत प्रथम चरण में कृषि विज्ञान केंद्र दामला(यमुनानगर) से इस अभियान को शुरू किया गया है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि पहले चरण में दामला कृषि विज्ञान केंद्र पर केंद्र से जुड़े किसानों के लिए यह अभियान चलाया गया था, जिसमें कृषि विज्ञान केंद्र से जुड़े क्षेत्र के किसानों को वैक्सीन लगाई गई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में प्रदेश में विश्वविद्यालय के अन्य बाहरी केंद्रों पर भी अब लगातार इस तरह के अभियान चलाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इंचार्जों को इस बारे में केंद्र द्वारा गोद लिए गए नजदीकी गांवों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करते हुए उन्हें जागरूक करने को कहा गया है । इसके अलावा संबंधित जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी सहायता के लिए भी संपर्क किया जा रहा है। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पूरी तरह से पालना की जाएगी। विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक सात वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं और छह टैस्टिंग कैम्प भी लगाए गए हैं।